वरिष्ठ
राजयोगी ब्र.कु. सूरज भाई

मानसिक रोग क्यों बढ़ रहे...

पुण्य कर्मों का बल और फल दिलाएगा मानसिक रोगों से मुक्ति...

हम चर्चा कर रहे हैं मानसिक रोगों की जिसका संसार में कहीं कोई इलाज ही नहीं है। डॉक्टर्स हमें बताते हैं कि हम मानसिक रोगों को थोड़ा बहुत रोक तो पाते हैं पर पूरा क्योर नहीं कर पाते। सचमुच इस संसार को स्पिरिचुअल एनर्जी की बहुत ज़रूरत है।

हम खुश नहीं रहते, हमें डर लगता रहता है बिना मतलब। कुछ अच्छा कार्य चाहते हुए भी नहीं कर पाते हैं। तो आज मैं सभी के सामने एक नया सिक्रेट भी रखने जा रहा हूँ। जिसको संसार में और कोई नहीं जानता। आप कहेंगे कि तुम जानते हो क्या? नहीं। ये भगवान ने हम सबको जो ज्ञान दिया है उन्होंने ये गुह्य रहस्य बता दिए हैं क्योंकि अब ये कल्प का अन्त आ गया है।

सतयुग, त्रेता, द्वापर, कलियुग इन चारों को मिलाकर कल्प कहते हैं और ये चारों युग सदा घूमते ही रहते हैं। पाँच हज़ार साल का ये साइकल है और हरेक युग की आयु 1250 वर्ष की होती है। कलियुग के बाद फिर सतयुग आता है लेकिन सतयुग में मनुष्य होता है देवता और जन्म लेते-लेते उसका देवत्व नष्ट होके द्वापर से वो मनुष्य कहलाने लगता है। और कलियुग के अन्त तक उसका हाल बहुत बिगड़ जाता है। नैतिकता, चरित्र बिल्कुल समाप्त हो जाते हैं। प्युरिटी को तो मनुष्य बिल्कुल भूल ही जाता है, तो ऐसे में भगवान स्वयं आकर सत्य ज्ञान देते हैं और हमें फिर से पॉवरफुल बना देते हैं। 100 प्रतिशत प्युअर बना देते हैं। और फिर हमें परफेक्ट करके अपने साथ ले जाते हैं परमधाम।

कई मानसिक रोगों का जो पहला कारण है उसपर मैं आपका ध्यान खिंचवाना चाहता हूँ। वो है काम-वासना,सेक्सुअल फीलिंग। जो टू मच हो गई है मनुष्यों के मन में। उनके शरीरों में, उनके मन-बुद्धि, ब्रेन सबमें हो गई है। इससे शरीर भी कमज़ोर हो गए, ब्रेन भी कमज़ोर हो गए, मन-बुद्धि भी कमज़ोर और निगेटिव हो गई है। मनोवैज्ञानिकों ने अपनी अर्ध खोज के आधार पर ये गलत सिद्धांत बना दिया कि सेक्स- ये तो भूख है, इसे तो तृप्त करना ही होगा। तृप्त करने के नाम पर मनुष्य आज इतना सेक्सुअल हो गया कि उसकी सारी एनर्जी नष्ट हो गई। ये रोगों के बढ़ने का मुख्य कारण है- चाहे वो कैंसर है, या फिर और अन्य बीमारियां।

एक समय था सन्तान उत्पत्ति के लिए ये किया जाता था। धीरे-धीरे उसकी मात्रा बढ़ती गई और वो फिज़िकल आनंद के रूप में बदल गया। इस फिज़िकल आनंद से स्पिरिचुअल आनंद नष्ट हो गया। मन-बुद्धि कमज़ोर हो गई है। क्योंकि मनुष्य सारा दिन देह के बारे में ही सोचता रहता है।

भगवान ने ये बता दिया था कि जिनके पाप अति होंगे, जिनके पापकर्म का खाता बहुत ज़्यादा भयानक है पूर्व जन्मों का या इस जन्म का तीन तरह से उन्हें भोगना पड़ेगा, मानसिक रोग, रात को नींद न आना और जो भटकती आत्मायें हैं उनका प्रभाव हो जाना। ये तीनों बढ़ रहे हैं।

दूसरा कारण, मनुष्य के अन्दर बढ़ा हुआ ईगो और एंगर। इनके कारण उनको टेंशन बहुत रहती है, वो चिंताओं में बहुत जीता है। वो झुकना नहीं जानता वो झुकाना चाहता है। ईगो के कारण, गलत व्यवहार के कारण, अपने गलत संस्कारों के कारण डिवोर्स कितने बढ़ गए हैं। फैशन बन गया है भारत में। जो भारत के कल्चर में था ही नहीं। पिछले 10-15 सालों से कोर्ट में ये केस इतने बढ़ गए हैं, जिसकी संख्या करोड़ों के पार पहुंच गई है। जिससे परिवारों में कितना टेंशन, कितनी निगेटिविटी। समाज के प्रति गलत एटीट्यूड। ये भी मानसिक रोगों को जन्म दे रहा है। और एक चीज़ जिस पर बहुत कम लोग बोलते हैं, पर मैं बोलना चाहता हूँ। लड़के-लड़कियों का अफेयर। प्यार हो जाता है पर उस प्यार को निभाना तो उन्हें नहीं आता। वो लड़के-लड़कियां इतने मेच्योर तो नहीं होते कि लड़की समझ पाये कि जिससे वो प्यार कर रही है वो कौन है, कैसा है उसकी मानसिक स्थिति, उसका चरित्र कैसा है। जब प्यार में असफल हो जाते तो इससे ही मानसिक रोग बढ़ रहे। सुसाइड टेंडेंसी बढ़ रही है। डिटेल आप इसका समझ ही सकते हैं।

शादी की बात करें तो उसके बाद जब आपस में संस्कारों का मिलन नहीं कर पाते, विचारों का मिलन नहीं कर पाते। ईगो सामने आता रहता है। इस ईगो के कारण विचार नहीं मिल पाते और अलग हो जाते हैं। अलग होना सहज हो सकता है, पर अलग होकर जीवन जीना, समाज की ग्लानि सुनना, दूसरों के एटीट्यूड को सहन करना ये कोई सहज काम नहीं होता है। इसमें मनुष्य बहुत डाउन हो जाता है, सब उसे इसी नज़र से देखते हैं- ये ऐसी ही होगी, देखा पति को छोड़कर आ गई, देखा इसका डिवोर्स हो गया, बोलने वालों की तो कमी नहीं है। तो इससे फिर मानसिक इफेक्ट होने लगता है और मनुष्य डाउन हो जाता है। ये मानसिक रोगों को बढ़ावा दे रहा है।

मैं ऐसी तीन चीज़ों की चर्चा कर रहा हूँ आपके सामने जो आपको जान लेना चाहिए। इन्हीं के लिए मैंने कहा था कि इनको लोग नहीं जानते। बड़े-बड़े विद्वान-आचार्य नहीं जानते। हर मनुष्य के साथ जो कुछ हो रहा है वो उसके कर्मों का ही परिणाम है। जिसने बहुत बुरे कर्म कर लिए अब मानसिक इफेक्ट उनपर आ रहा है। यानी उन कर्मों की सज़ा, उन पाप कर्मों की सज़ा मानसिक रोगों के रूप में बढ़ती जा रही है। भगवान ने ये बता दिया था कि जिनके पाप अति होंगे, जिनके पापकर्म का खाता बहुत ज़्यादा भयानक है पूर्व जन्मों का या इस जन्म का तीन तरह से उन्हें भोगना पड़ेगा, मानसिक रोग, रात को नींद न आना और जो भटकती आत्मायें हैं उनका प्रभाव हो जाना। ये तीनों बढ़ रहे हैं। तो ये सब जानते हुए हमें अपने पुण्य कर्मों को भी बहुत बढ़ाना चाहिए। ताकि हमसे अच्छे वायब्रेशन्स चारों ओर फैलें। हमें सबकी दुआयें मिले। परमात्म दुआएं मिलें, हम पुण्य आत्मा बन जायें। हमारे पुण्य कर्मों का फल और बल ये मानसिक रोगों से हमें मुक्त कर देगा।

बहल-हरियाणा। हरियाणा सरकार के बागवानी एवं सूक्ष्म सिंचाई विभाग की ओर से बहल की अनाज मंडी में आयोजित किसान मंच मेले में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा लगाये गये 'आत्म निर्भर किसान देश की शान' विषयक स्टॉल का कृषि एवं पशुपालन राज्यमंत्री जयप्रकाश दलाल ने अवलोकन किया। स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शकुंतला दीदी ने गुलदस्ता और प्रसाद भेंट कर उनका स्वागत किया व नशा मुक्ति अभियान व शाश्वत यौगिक खेती परियोजना की जानकारी दी। इस दौरान ब्र.कु. पूनम बहन व अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें मौजूद रहे। इस स्टॉल का खण्ड कृषि अधिकारी डॉ. संजीव कुमार, सरपंच साधुराम पनिहार सहित अनेक अधिकारियों ने अवलोकन किया। मेले में बहल खण्ड के 36 गांवों से 5000 किसानों ने भाग लिया।

बहादुरगढ़-हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित 'आत्मनिर्भर भारत के किसान' सम्मेलन में कृषि राज्यमंत्री जय प्रकाश दलाल, पूर्व विधायक नरेश कौशिक, सीएम विंडो एमिनेंट पर्सन दिनेश शेखावत, सतीश छिक्कारा,राष्ट्रीय किसान मोर्चा पूर्व अध्यक्ष आदि गणमान्य लोगों को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. मनीषा दीदी व ब्र.कु. अंजली दीदी। सम्मेलन में हज़ारों किसान शामिल हुए।

दिल्ली-इंदरपुरी। डॉ. पी.एस. ब्रह्मानंद,प्रोजेक्ट डायरेक्टर,वॉटर टेक्नोलॉजी सेंटर,भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली को रक्षासूत्र बांधते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. बाला दीदी। साथ हैं ब्र.कु. अभिनव भाई।

पटना सिटी-पंचवटी कॉलोनी(बिहार)। मेयर सीता साहू को रक्षासूत्र बांधते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. रानी बहन।

नई दिल्ली। एकता जी,डायरेक्टर,एसीएमए को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् उनके साथ हैं ब्र.कु. येशु व ब्र.कु. नेहा,ओआरसी गुरुग्राम।

जम्मू। ब्रह्माकुमारीज़ के ओम शांति मेडिटेशन सेंटर में आयोजित आध्यात्मिक कार्यक्रम में पद्मश्री डॉ. एस.पी. वर्मा,अध्यक्ष,गांधियन ग्लोबल फैमिली,जे.के., कार्यक्रम अध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. सुदर्शन दीदी, वरिष्ठ राजयोगी ब्र.कु. रविंदर भाई सहित अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।

मोहाली-पंजाब। डॉ. गिन्नी दुग्गल,डी.ई.ओ.,एस.एस. को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. अदिति बहन।

मोतिहारी-बिहार। पूर्वी चम्पारण जिले के आरक्षी अधीक्षक कांतेश कुमार मिश्रा को रक्षासूत्र बांधते हुए बाल गंगा सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. निशा बहन।

दिल्ली-दिलशाद गार्डन। अक्षय कुमार,असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ पुलिस,सीमापुरी पुलिस स्टेशन,ईस्ट दिल्ली को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. नीता दीदी,शांति सदन सेवाकेन्द्र, ब्रह्माकुमारीज़।

दिल्ली-ईस्ट विनोद नगर। सेवाकेन्द्र पर निगम पार्षद देवेन्द्र कुमार को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. सुधा दीदी। साथ हैं ब्र.कु. ममता बहन, ब्र.कु. रीता बहन एवं ब्र.कु. विनीता बहन।

जयपुर-मालपुरा(राज.)। आध्यात्मिक ज्ञान चर्चा के पश्चात् सीआई विजेंद्र सिंह राठौड़ को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. प्रियंका बहन।